RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

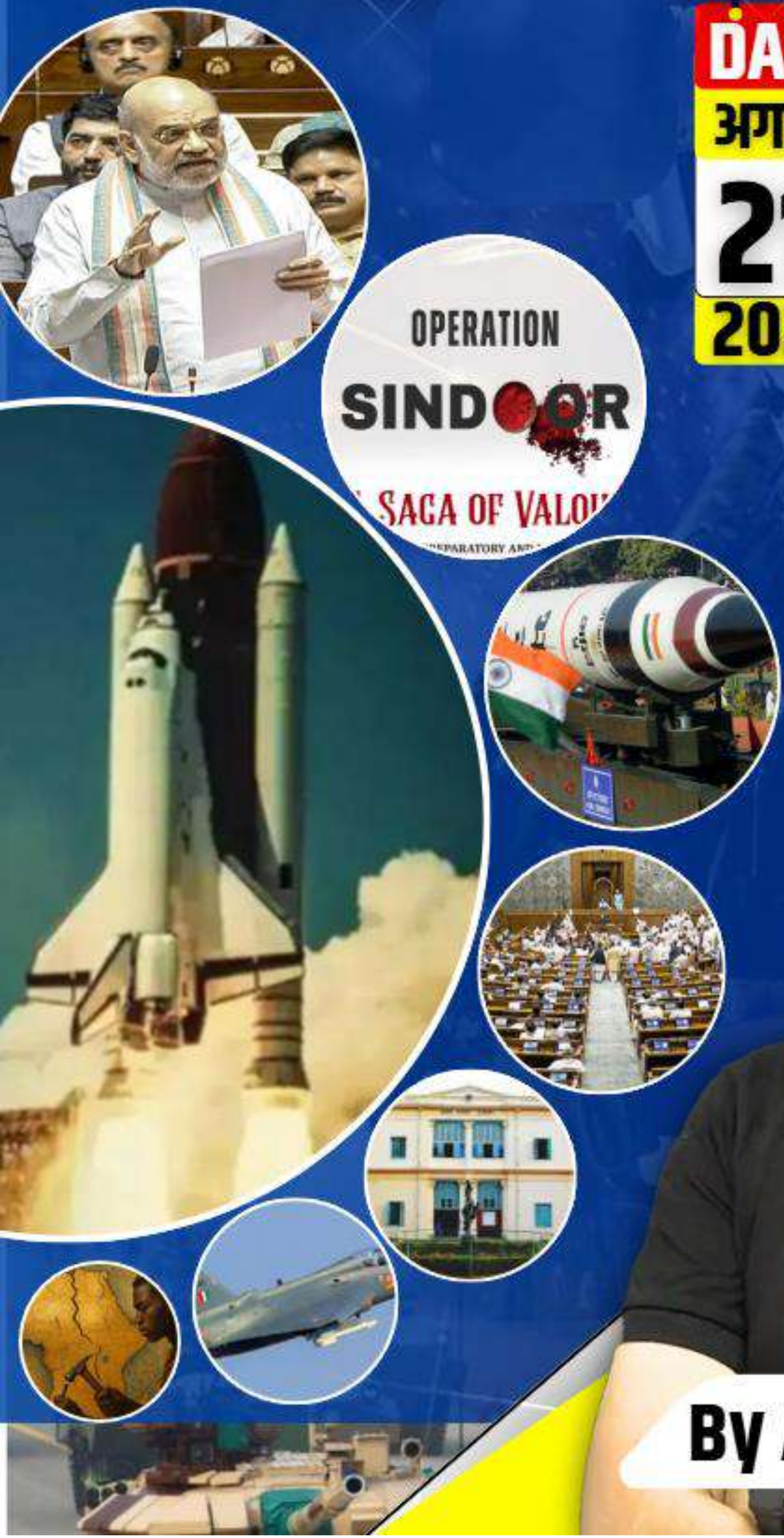

DATE
अगस्त
21
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

ISRO का 40-मंज़िला ऊँचा रॉकेट / ISRO's 40-storey high rocket

संदर्भ:

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) दुनिया के **सबसे बड़े रॉकेट्स** में से एक बनाने की तैयारी कर रहा है। ISRO चीफ वी. नारायणन ने हैदराबाद स्थित उस्मानिया यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में बताया कि यह रॉकेट **लगभग 40 मंजिला इमारत** जितना ऊंचा होगा और लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में 75,000 किलोग्राम यानी 75 टन पेलोड ले जाने में सक्षम होगा।

क्यों खास है यह रॉकेट?

- **बेहतर क्षमता** – इसरो का मौजूदा सबसे भारी रॉकेट LVM-3 है, जो 10,000 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाता है। नया रॉकेट इसकी तुलना में लगभग **7 गुना ज्यादा क्षमता** वाला होगा। उदाहरण के लिए, दुनिया का सबसे भारी व्यावसायिक उपग्रह जुपिटर-3 (9,200 किग्रा) है, जिसे स्पेसएक्स ने लॉन्च किया था।
- **पूरी तरह भारतीय तकनीक** – इसका निर्माण पूरी तरह भारतीय तकनीक से होगा। यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक **महत्वपूर्ण कदम** है।
- **बहु-उपयोगी** – यह रॉकेट सैन्य संचार, पृथ्वी अवलोकन, नेविगेशन और नागरिक उपयोग जैसे **कई क्षेत्रों में अहम भूमिका** निभाएगा।
- **रीयूज़ेबल लॉन्च सिस्टम** – इसरो पहले से ही नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल (NGLV) पर काम कर रहा है, जिसका पहला चरण पुन: उपयोग योग्य होगा। नया रॉकेट भी **रीयूज़ेबल लॉन्च सिस्टम** की ओर संकेत करता है।

भारत को क्या मिलेगा फायदा?

- **आर्थिक लाभ:** विदेशी उपग्रहों को लॉन्च करके इसरो अंतरराष्ट्रीय बाजार से बड़ी आय अर्जित कर सकेगा।
- **सैन्य ताकत:** GSAT-7R जैसे उपग्रह भारतीय नौसेना की संचार क्षमता को मजबूत करेंगे, जिससे देश की सुरक्षा और भी सुदृढ़ होगी।
- **वैज्ञानिक प्रगति:** भारी उपग्रहों के जरिए इसरो मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और अंतरिक्ष अनुसंधान में अधिक प्रभावी योगदान देगा।
- **उद्योग और रोजगार:** इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट्स से भारत की स्पेस इंडस्ट्री का विस्तार होगा और युवाओं के लिए नई नौकरियों के अवसर खुलेंगे।
- **अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा:** इतने भारी पेलोड को अंतरिक्ष में भेजने की क्षमता भारत को अमेरिका, रूस और चीन जैसी अंतरिक्ष महाशक्तियों की बराबरी में ला खड़ा करेगी।

दुनिया के बड़े रॉकेट्स और उनकी क्षमता:

Rocket	Agency / Company	Height	Payload to LEO	Status
N1 (planned)	ISRO (India)	~40 storeys (~120m est.)	75,000 kg	In development / planning
Starship	SpaceX (USA)	120 m	100,000–150,000 kg	Test flights ongoing (2023–25)
SLS (Block 1/2)	NASA (USA)	111–119 m	95,000–130,000 kg	Operational (first flight 2022 - Artemis I)
Long March 9	CNSA (China)	110 m (planned)	100,000–150,000 kg	Scheduled ~2030
Falcon Heavy (medium -heavy)	SpaceX (USA)	70 m	63,800 kg	Operational (since 2018)

LVM3 : इसरो का सबसे भारी रॉकेट

- **नाम और पहचान:** LVM3 (Launch Vehicle Mark-III) जिसे पहले **GSLV Mk-III** कहा जाता था, इसरो का अब तक का सबसे भारी रॉकेट है।
- **प्रकार:** यह भारत का **हेवी-लिफ्ट लॉन्च व्हीकल (Heavy-lift Launch Vehicle)** है।
- **पेलोड क्षमता (Payload Capacity):**
  - **लो अर्थ ऑर्बिट (LEO)**: 8,000 से 10,000 किलोग्राम तक
  - **जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO)**: लगभग 4,000 किलोग्राम तक
- **उपयोग (Applications):** इसरो ने LVM3 का उपयोग कई **GSAT सीरीज़** के 4-टन क्लास उपग्रहों को GTO में और भारी पेलोड्स को LEO में स्थापित करने के लिए किया है।
- **भविष्य की योजना (Future Plan):** इसरो अब एक **नया रॉकेट** विकसित कर रहा है, जो **LVM3 से लगभग सात गुना अधिक पेलोड** उठाने में सक्षम होगा।

नए विधेयक में मंत्रियों को स्वत: हटाने का प्रावधान / New Bills Seek Automatic Removal of Ministers

संदर्भ:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार संसद में तीन अहम विधेयक पेश की। इन विधेयकों में एक ऐसा प्रावधान शामिल है, जिसके तहत यदि किसी प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या किसी राज्य अथवा केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री को गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार **30 दिनों** तक गिरफ्तार या हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें पद से हटाना अनिवार्य होगा। हालांकि हंगामे के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने इन बिलों को जेपीसी में भेजने की सिफारिश की है।

तीनों बिल इस प्रकार हैं:

- **पहला बिल:** 130वां संविधान संशोधन बिल 2025 यह केंद्र और सभी राज्य सरकारों पर लागू होगा।
- **दूसरा बिल:** गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025- यह केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) के लिए है।
- **तीसरा बिल:** जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025- यह विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर पर लागू होगा।

31वें दिन स्वत: पदमुक्त होने का प्रावधान:

- यदि कोई **मंत्री लगातार 30 दिनों तक हिरासत** (custody) में रहता है, तो **31वें दिन** मुख्यमंत्री की सलाह पर उपराज्यपाल द्वारा उसे पद से हटा दिया जाएगा।
- यदि मुख्यमंत्री इस पर कोई **संज्ञान नहीं लेते**, तो मंत्री अगले दिन स्वत: ही पद से मुक्त हो जाएगा।
- यही **तंत्र केंद्र और राज्यों** दोनों के लिए प्रस्तावित है।
- इसका अर्थ है कि यदि **प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री** भी लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहते हैं, तो उन्हें भी **31वें दिन स्वत: पदमुक्त** कर दिया जाएगा।

बिल का उद्देश्य:

- **संवैधानिक नैतिकता की रक्षा :** विधेयक का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सत्ता में बैठे नेता संविधान और नैतिक मूल्यों के अनुरूप आचरण करें।
- **जनता के विश्वास को बनाए रखना :** निर्वाचित प्रतिनिधि जनता की आशाओं और आकांक्षाओं के प्रतीक होते हैं, इसलिए उन पर से विश्वास डगमगाना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।
- **वर्तमान व्यवस्था की कमी :** अभी संवैधानिक ढांचे में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है कि प्रधानमंत्री या मंत्री गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार या लगातार हिरासत में रहने पर स्वत: पद से हट सकें।
- **निर्दोष छवि की अपेक्षा :** विधेयक का मानना है कि मंत्री का चरित्र और आचरण बिल्कुल निष्कलंक होना चाहिए और वह किसी भी प्रकार के संदेह से परे रहें।
- **संवैधानिक विश्वास को बनाए रखना :** गंभीर आपराधिक मामलों का सामना करने वाले या हिरासत में रहने वाले मंत्री न केवल सुशासन और संवैधानिक नैतिकता को कमजोर करते हैं, बल्कि जनता का विश्वास भी खो देते हैं।

जेपीसी (JPC) क्या है?

जेपीसी का पूरा नाम ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (संयुक्त संसदीय समिति) है। इसे उन मामलों पर गहराई से चर्चा और जांच करने के लिए बनाया जाता है जिनमें सामान्य संसदीय प्रक्रिया पर्याप्त नहीं होती।

जेपीसी के प्रकार:

- **अस्थायी कमेटी:** किसी विशेष मुद्दे पर गठित की जाती है और उसका कार्यकाल तय समय के लिए होता है।
- **स्टैंडिंग कमेटी:** स्थायी रूप से काम करने वाली समिति, जिसका कार्यकाल नियमित रूप चलता है

चीन भारत को उर्वरक, दुर्लभ-पृथ्वी और सुरंग मशीनों की आपूर्ति के लिए तैयार / China ready to supply fertilizer, rare-earths and tunnel machines to India

संदर्भ:

चीन के विदेश मंत्री वांग यी दो दिवसीय भारत दौरे पर आए थे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

- इस दौरान वांग यी ने भारत की तीन प्रमुख चिंताओं **रेयर अर्थ मिनरल, फर्टिलाइज़र और टनल बोरिंग मशीन का समाधान** निकालने में मदद का आश्वासन दिया।

रेयर अर्थ मिनरल्स (Rare Earth Minerals)

- **परिभाषा:** रेयर अर्थ मिनरल्स 17 तत्वों का समूह हैं। इनमें **15 लैंथेनाइड्स** और इसके अलावा **स्कैंडियम** और **येट्रियम** शामिल हैं।
- **विशेषता:** ये तत्व **चुंबकीय (Magnetic)** और तकनीकी रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
- **उपयोग:**
  - **उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स (Consumer Electronics)**
  - **आईटी उद्योग (IT Industries)**
  - **सोलर एनर्जी (Solar Energy)**
  - **रासायनिक उद्योग (Chemical Industries)**
  - **सैन्य उपकरण (Military Equipment)**
  - आधुनिक तकनीकी तेल रिफाइनरी (Modern Technical Oil Refineries) और अन्य उद्योगों में
- **वैश्विक नियंत्रण:**
  - **चीन**: 65% उत्पादन करता है।
  - वैश्विक स्तर पर चीन **90% नियंत्रण** रखता है।
  - इसका मतलब है कि रेयर अर्थ मिनरल्स का लगभग पूरा वैश्विक नियंत्रण **चीन के हाथ में** है।

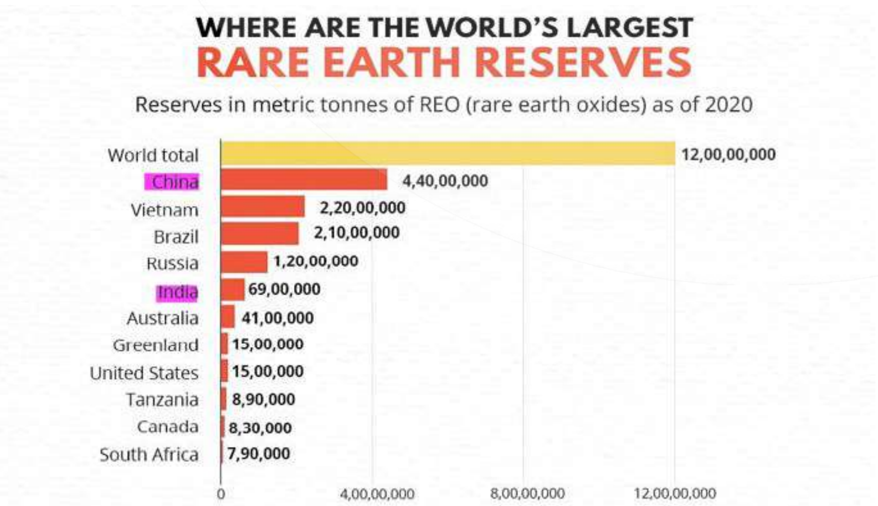

भारत की कृषि पर उर्वरक प्रतिबंधों का असर:

- **समस्या:** चीन द्वारा उर्वरक निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों से विशेषकर **डाय-अमोनियम फॉस्फेट (DAP)** की आपूर्ति प्रभावित हुई, जो **रबी सीजन** के लिए बेहद जरूरी है।
- **हल:** चीन ने निर्यात फिर से शुरू कर दिया है, जिससे **भारत के उर्वरक भंडार** फिर से भरने की संभावना है।
- **प्रभाव:**
  - **समय पर वितरण सुनिश्चित होगा** और फसल चक्र प्रभावित नहीं होगा।
  - चीन की वैश्विक आपूर्ति में प्रमुख भूमिका के कारण, यह कदम **भारत की खरीदारी चैनलों पर दबाव कम करता है**।

चीन से आने वाली टनल बोरिंग मशीनों में देरी और भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर असर:

- **समस्या:** चीन से आने वाली **टनल बोरिंग मशीनों (TBM)** में देरी के कारण कई **मेट्रो, सड़क और रेलवे टनल प्रोजेक्ट्स** ठप हो गए थे।
- **हल:** शिपमेंट्स की गति फिर से शुरू होने के साथ, मशीनों की आपूर्ति बहाल हो रही है।
- **प्रभाव:**
  - भारत के **अर्बन डेवलपमेंट मिशन** के तहत बड़े प्रोजेक्ट्स को फिर से **निर्माण गति** मिल रही है।
  - इससे **शहरी आधारभूत संरचना परियोजनाएँ** समय पर आगे बढ़ सकेंगी।

भारतीय उद्योगों के लिए रेयर अर्थ मिनरल्स का महत्व:

- **महत्वपूर्ण इनपुट:** रेयर अर्थ मिनरल्स **इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और ग्रीन टेक्नोलॉजी** के उत्पादन में अनिवार्य हैं।
- **चीन का नियंत्रण:** चीन के वैश्विक नियंत्रण और सीमित उपलब्धता के कारण भारत में उत्पादन में **मंदगति** आई थी।
- **सामान्य व्यापार से लाभ:** व्यापार सामान्य होने के साथ, रेयर अर्थ मिनरल्स पर निर्भर **फैक्ट्रियाँ अब सुचारू रूप से संचालन बढ़ा सकती हैं**।

ऑपरेशन सिंदूर एनसीईआरटी पाठ्यक्रम का हिस्सा / Operation Sindoor lessons now part of NCERT syllabus

संदर्भ:

एनसीईआरटी (NCERT) ने **कक्षा 3 से 12** तक के विद्यार्थियों के लिए **ऑपरेशन सिंदूर** पर एक **विशेष मॉड्यूल** जारी किया है। इसमें न केवल इस ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी गई है, बल्कि यह भी समझाया गया है कि यह भारत की सुरक्षा, शांति और राष्ट्रीय सम्मान के लिए कितना महत्वपूर्ण था।

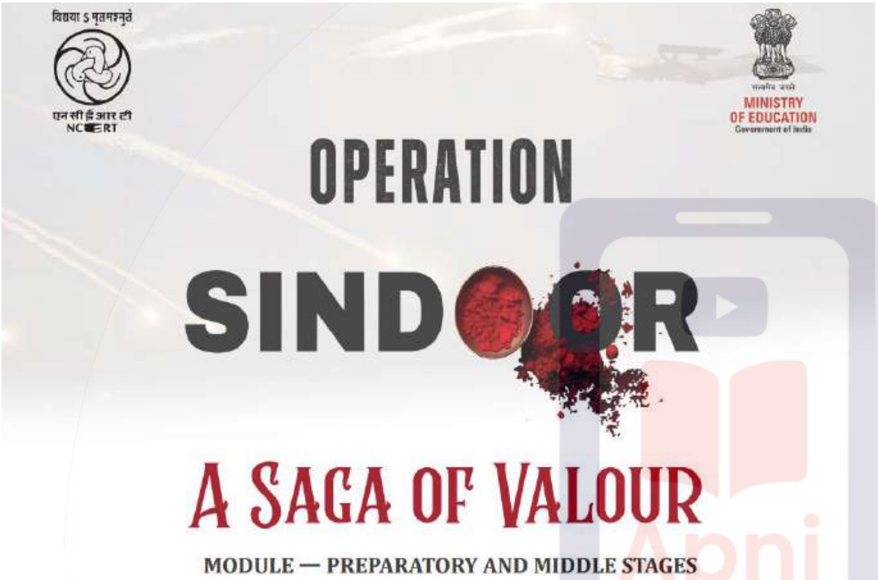

एनसीईआरटी ने कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े विशेष मॉड्यूल तैयार किए हैं।

- **कक्षा 3 से 8:** "ऑपरेशन सिंदूर – वीरता की गाथा" जिसमें साहस, सहानुभूति और मिशन के मानवीय पहलुओं पर जोर दिया गया है।
- **कक्षा 9 से 12:** "ऑपरेशन सिंदूर – सम्मान और वीरता का मिशन" जिसमें रणनीतिक उद्देश्यों, तकनीकी प्रगति और भारत की सैन्य शक्ति पर गहन जानकारी दी गई है।

क्या था ऑपरेशन सिंदूर?

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे, जिनमें एक नेपाली पर्यटक भी शामिल था। एनसीईआरटी मॉड्यूल और आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार यह हमला पाकिस्तान की राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के आदेश पर हुआ था। इसके बाद भारत ने 7 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया।

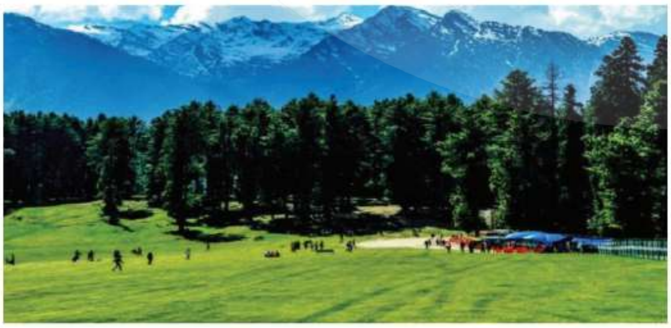

Pahalgam: A traveller's paradise

ऑपरेशन सिंदूर की खास बातें:

1. **नामकरण का भाव:** ऑपरेशन का नाम **"सिंदूर"** शहीद सैनिकों की पत्नियों के **त्याग और पीड़ा को सम्मान** देने के लिए रखा गया।
2. **जवाबी कार्रवाई:**
   - भारत ने **पाकिस्तान और PoJK** में 9 आतंकी ठिकानों पर **मिसाइल और एयर स्ट्राइक** की।
   - **7 ठिकाने** भारतीय सेना ने नष्ट किए।
   - **2 ठिकाने** (मुरीदके और बहावलपुर) एयरफोर्स ने तबाह किए।
3. **आतंकी संगठन निशाने पर:** जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन के **मुख्यालय और प्रशिक्षण शिविर** ध्वस्त किए गए।
4. **सटीक और सीमित समय की कार्रवाई:** बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए, लेकिन किसी **सामान्य नागरिक को नुकसान नहीं** पहुंचा।
5. **9 ठिकानों का नाश:** बहावलपुर, मुरीदके, सियालकोट, कोटली और मुजफ्फराबाद समेत **कई इलाकों में आतंकी ठिकाने खत्म** किए गए।

6. **बालाकोट के बाद दूसरी बड़ी कार्रवाई:** यह 2019 की **बालाकोट एयर स्ट्राइक** के बाद पाकिस्तान में भारत की **दूसरी बड़ी जवाबी कार्रवाई** थी।
7. **संयुक्त सैन्य शक्ति का प्रदर्शन:**
   - **थलसेना, वायुसेना और नौसेना** ने मिलकर यह **संयुक्त ऑपरेशन** अंजाम दिया।

पाकिस्तान की कोशिश: भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और एयरबेस अटैक की कोशिश की, लेकिन भारत के मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम (S-400, आकाश, MRSAM) ने सब विफल कर दिया।

अग्नि -5 / Agni-5

संदर्भ:

भारत ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण केंद्र से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल **'अग्नि -5'** का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है. यह परीक्षण देश की बढ़ती रक्षा क्षमता को दिखाता है

अग्नि-5 मिसाइल: विशेषताएँ और महत्व:

परिचय:

- अग्नि-5 भारत की **इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM)** है।
- विकसित: **DRDO** (रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन) द्वारा।
- आकार: **लंबाई 17 मीटर, चौड़ाई 2 मीटर**।
- पेलोड: **1 टन तक**, परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम।

मुख्य खासियतें:

- **3-चरण प्रोपल्शन सिस्टम**
- **एमआईआरवी (MIRV) तकनीक**: एक मिसाइल से **कई टारगेट** को एक साथ नष्ट किया जा सकता है।
- रेंज: **4,790 किलोमीटर**
- अग्नि-5 की सफलता से भारतीय सेना की **रणनीतिक ताकत कई गुना बढ़ जाएगी**।

अग्नि-5 का नॉन-न्यूक्लियर संस्करण (बंकर बस्टर):

- विशेष रूप से **एयरफोर्स** के लिए।
- वारहेड: **लगभग 8 टन**
- उपयोग के दो तरीके:
  1. **एयरबर्स्ट:** मिसाइल हवा में फटकर बड़े इलाके में धमाका करेगी, रनवे, एयरबेस और रडार सिस्टम नष्ट होंगे।
  2. **बंकर बस्टर (Bunker Buster):** जमीन में **80–100 मीटर तक घुसकर** दुश्मन के कमांड सेंटर या परमाणु हथियार रखने वाली जगह तबाह करेगी।
- रेंज: **2,500 किलोमीटर**

रणनीतिक महत्व:

- भारत के **'अग्नि परिवार'** का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- अग्नि-6 जैसी नई मिसाइलों के साथ भारत की **रणनीतिक क्षमताएँ लगातार बढ़ रही हैं**।

विश्वभारती विश्वविद्यालय / Visva-Bharati University

संदर्भ:

पश्चिम बंगाल की विश्व-भारती यूनिवर्सिटी ने नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन के व्याख्यान को अनुमति देने से इंकार कर दिया है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी (PRO) ने इसका कारण रवींद्र सप्ताह विरासत आयोजन के साथ कार्यक्रम टकराव को बताया है।

विश्वभारती विश्वविद्यालय (Visva-Bharati University):

- **स्थापना:** यह विश्वविद्यालय 1921 में रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा शांति निकेतन, पश्चिम बंगाल में स्थापित किया गया था।
- **विशेषता:** यह भारतीय परंपराओं और वैश्विक शैक्षिक आदर्शों का अद्वितीय संगम है।
- **मान्यता:** 1951 में इसे केंद्रीय विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय महत्व की संस्था का दर्जा दिया गया।

प्रमुख पदाधिकारी:

- भारत के राष्ट्रपति – **परिदर्शक (Visitor)**
- पश्चिम बंगाल के राज्यपाल – **प्रधान (Rector)**
- भारत के प्रधानमंत्री – **आचार्य (Chancellor)**
- विश्वविद्यालय के **उपाचार्य (Vice-Chancellor)** – राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

प्रमुख विशेषताएँ:

- समग्र शिक्षा (Holistic Learning), खुले वातावरण में शिक्षा (Open-air Education) और रचनात्मकता (Creativity) पर बल।
- कला, संगीत, साहित्य और ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान।
- प्रकृति से गहरा जुड़ाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र।
- यह रवीन्द्रनाथ ठाकुर की उस दृष्टि को साकार करता है जिसमें **विश्वबंधुत्व, सार्वभौमिक ज्ञान और सामंजस्य** का संदेश है।

तेजस मार्क 1A / Tejas Mark 1A

संदर्भ:

भारत की रक्षा क्षमताओं को और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए कैबिनेट सुरक्षा समिति (CCS) ने भारतीय वायुसेना के **लिए 97 एलसीए मार्क-1ए (LCA Mark-1A) लड़ाकू विमानों** की खरीद को मंज़ूरी दे दी है। यह निर्णय न केवल वायुसेना की मारक क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि **'मेक इन इंडिया'** पहल को भी नई गति प्रदान करेगा।

तेजस मार्क 1A : मेक इन इंडिया को नई उड़ान

- यह सौदा **आत्मनिर्भर भारत मिशन** को बड़ी मजबूती देता है। तेजस प्रोग्राम भारत के स्वदेशी रक्षा निर्माण (indigenous defence manufacturing) का प्रमुख उदाहरण है।
- **65% स्वदेशी सामग्री** (indigenous content) का उपयोग किया गया है, जिसमें सैकड़ों MSMEs (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) सप्लाई चेन में शामिल हैं।
- इसमें पहले के LCA की तुलना में **उन्नत एवियोनिक्स, अपग्रेडेड रडार और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम** लगे हैं।
- इससे **ऑपरेशनल रेडीनेस बढ़ेगी** और आयात पर निर्भरता घटेगी।
- यह सौदा **रोज़गार सृजन, घरेलू उद्योग को बढ़ावा** और भारत की **रक्षा निर्यात क्षमता** को विस्तार देगा।

भविष्य की राह : तेजस मार्क 2 और एएमसीए

- तेजस मार्क 1A के बाद अब **IAF का आधुनिकीकरण (modernization)** योजना तेज़ी से आगे बढ़ रही है।
- **तेजस मार्क 2** – HAL को 200+ विमानों का ऑर्डर मिलने की उम्मीद।
- **एएमसीए (Advanced Medium Combat Aircraft)** – भारत का स्वदेशी 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान, जिसकी संभावित मांग 200+ यूनिट्स।

Africa wants to ditch popular

संदर्भ:

अफ्रीकी संघ (African Union) ने "Correct The Map" अभियान का समर्थन किया, जिसमें 16वीं शताब्दी के Mercator प्रोजेक्शन को छोड़कर **Equal Earth** जैसे अधिक सटीक मानचित्र अपनाने की मांग की गई है।

मर्केटर के नक्शे से अफ्रीका की दिक्कतें

1. **झूठा आकार दिखवाना:** मर्केटर प्रोजेक्शन (Gerardus Mercator, 1569) में ध्रुवों के नज़दीकी क्षेत्र *बेहद बड़े* और भूमध्यरेखा वाले क्षेत्र *बहुत छोटे* दिखाई देते हैं।

- उदाहरण: **रूस** नक्शे में अफ्रीका से बड़ा लगता है, जबकि हकीकत में अफ्रीका **लगभग दोगुना बड़ा** है।
  - रूस – 1.709 करोड़ वर्ग किमी
  - अफ्रीका – 3.037 करोड़ वर्ग किमी
  - **ग्रीनलैंड** नक्शे में अफ्रीका जितना बड़ा दिखता है, जबकि वास्तव में अफ्रीका उससे **14 गुना बड़ा** है।

2. **साम्राज्यवादी मानसिकता का असर**

- पश्चिमी देशों (यूरोप, उत्तरी अमेरिका) को नक्शे में **असली आकार से बड़ा** और अफ्रीका व लैटिन अमेरिका को **छोटा** दिखाया गया।
- इसका असर यह हुआ कि अफ्रीका महाद्वीप को दुनिया में "कमज़ोर और महत्वहीन" बताने वाली धारणाएं मजबूत हुईं।
- यही कारण है कि कई विशेषज्ञ इस नक्शे को **"पक्षपाती और साम्राज्यवादी विचारों का प्रतीक"** मानते हैं।

कौन-सा मैप अपनाने की मांग हो रही है?

- अफ्रीका नो फ़िल्टर और स्पीक अप अफ्रीका जैसे संगठन **"Correct The Map"** अभियान चला रहे हैं।
- इनकी मांग है कि अंतरराष्ट्रीय संगठन और सरकारें **Equal Earth Projection (2018)** को अपनाएं।
- **Equal Earth Projection की विशेषताएं:**
  - देशों और महाद्वीपों के **वास्तविक आकार** को सही अनुपात में दर्शाता है।
  - अफ्रीका जैसे क्षेत्रों को नक्शे में उनकी **वास्तविक विशालता** के साथ दिखाता है।
  - मर्केटर की तुलना में कहीं अधिक **सटीक और न्यायपूर्ण** है।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात
Baaten Bazar Ki

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

\+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)**

EMI AVAILABLE

FREE

- Long-Term Investing Foundations
- Principles of Value Investing and Stock
- Portfolio Construction Mastery
- Sectoral Investing
- Stock Picking Framework
- Active Portfolio Management Techniques
- Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR